अव्यक्त पालना का रिटर्न

हम अपनी तस्वीर को देखते समय क्या देखते है और लौकिक वाले क्या देखते है

वह देखते हैं अपने फीचर्स और आप देखते हो अपना फ्यूचर आपका फीचर्स तरफ अटेन्शन नहीं है लेकिन हर समय अपने फ्यूचर को श्रेष्ठ बनाने का ही अटेन्शन है। तो अपने तकदीर की तस्वीर देखते हो कि हमारी तस्वीर में कहाँ तक रूहानियत बढ़ती जा रही है?

जैसे वे लोग लौकिक दृष्टि से रूप में व शक्ल में अपनी लाली को देखते हैं कि कहाँ तक 'लाल' हुए हैं; और आप सब अलौकिक तस्वीर देखते हुए 'रूहानियत' रूपी लाली को देखते हो।।

06.12.75

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न :- सम्पूर्णता के बारे में बाप दादा ने क्या कहा है?

उत्तर :- विदेशी फ़ास्ट जा रहे है क्योंकि :

1. तो विदेशियों को बाप की विशेष लिफ्ट भी है जिस लिफ्ट के गिफ्ट के कारण फास्ट जा रहे हैं। इस विशेषता को सदा कायम रखना।

2. 'क्यों और क्या' के क्वेश्चन के बजाय सदा मास्टर त्रिकालदर्शी स्टेज पर स्थित होते और हर कार्य व संकल्प को उसी प्रमाण स्वरूप में लाओ।

3. जब त्रिकालदर्शी हो तो फिर क्यों और क्या का क्वेश्चन समाप्त हो जायेगा ना? तो सदा मास्टर त्रिकालदर्शी स्थिति में स्थित रहो, सदा अपने को एक बाप की याद में समाया हुआ बाप-समान समझते हुए चलो।

4. जैसे तत्वयोगी सदा यही लक्ष्य रखते हैं कि तत्व में समा जायें व लीन हो जायें - लेकिन यह कब अनुभव नहीं करते हैं।

06.12.75

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, विदेशियों में मैजोरिटी क्वालिटी क्या है, विशेषता क्या है और भारतवासी क्या करते है ?

बापदादा :-

मीठे बच्चे, मैजॉरिटी में जो पहली क्वॉलिटी है, *आने से ही पतंगे मिसल शमा पर जल कर मर जाना उसमें फिर सोचना नहीं*। सुना, अनुभव किया और चल पड़े। तो विदेशियों में यह क्वॉलिटी भारतवासियों से विशेष है। भारतवासी पहले क्वेश्चन करेंगे, फिर सोचेंगे, फिर बाद में स्वाहा होंगे। विदेश से जो निकली हुई आत्मायें हैं उनकी शमा पर पतंगे के समान स्वाहा होने की विशेषता है।

06.12.75

06-12-75 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं विशेष आत्मा हूँ।

विशेष अर्थात् जागती ज्योत, सदा स्वयं के और समय के मूल्य को जानने वाली, अमूल्य रत्न, विश्व के शोकेस में विशेष प्रसिद्ध होने वाली।

06-12-75

अलौकिक शमा पर रूहानी पतंगे बन स्वाहा हो

★ सदा ऐसी खुशी में रहो कि आपकी खुशी को देखते हुए देखने वालों के गम के बादल व दुःख की घटायें समाप्त हो जायें और वे सुख के झूले में झूलने लग जाएं।

★ सदा मास्टर त्रिकालदर्शी की स्थिति में रहने से सारे क्वेश्चन समाप्त हो जायेंगे।